समस्या ▶ अनेकों बार आवागमन अवरुद्ध से आमजन त्रस्त, रोजाना फंस रहे वाहन

# शाम होते ही बेलखाडू चौराहा बन जाता है जाम का केंद्र

**नवभारत, बेलखाडू।** जबलपुर-दमोह रोड, बेलखाडू मुख्य चौराहे पर दिन के अलावा अधिकतर शाम ढलते ही प्रतिदिन जाम की स्थिति बनना अब आम बात हो गई है। जैसे ही दफ्तर, बाजार और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग घर लौटते हैं, वैसे ही यह चौराहा पूरी तरह ब्लॉक हो जाता है।

हैरानी की बात यह है कि इतनी गंभीर यातायात समस्या के बावजूद मौके पर एक भी पुलिस कर्मचारी तैनात नहीं रहता।

बेलखाडू चौराहा एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से पनागर, नुनसर, जबलपुर, दमोह की ओर वाहनों आवागमन व्यापक संख्या में होता है। इसके अलावा साहू मोहल्ला तिराहा, जहां से सरौद की ओर रास्ता जाता है, वहां भी आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। भारी वाहन, बसें, ट्रक और दोपहिया वाहन एक साथ पहुँचते हैं, लेकिन यातायात नियंत्रित करने वाला कोई नहीं होता। रोज़ाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों का कहना है कि 'दिन भर काम करने के बाद जब घर लौटते हैं, तो आधा घंटा सिर्फ जाम में निकल जाता है। न कोई ट्रैफिक पुलिस, न कोई व्यवस्था। बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं।

### भारी वाहनों की एंट्री से बिगड़ते है ज्यादा हालात

स्थानीय लोगों की माने तो शाम के समय बड़े ट्रक और मालवाहक, ट्रॉला वाहन चौराहे पर मुड़ते हैं, जिससे सड़क पूरी तरह जाम हो जाती है। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि एक ट्रक पूरे चौराहे को घेर लेता है, और पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। एंबुलेंस, स्कूल वाहन और महिलाएं-बच्चे भी इसी जाम में फँस जाते हैं।अगर रोज़ाना शाम को मुख्य मार्ग के चौराहे, तिराहे पर सिर्फ दो पुलिसकर्मी भी तैनात कर दिए जाएँ, तो जाम की समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है।'

ग्रामीणों का आरोप है कि जाम लगने के समय पुलिस की अनदेखी से जाम लंबे समय तक चलता है वहीं वाहन चालक तिलमिला जाते हैं। दूसरी ओर पुलिस चौकी मे पुलिस बल कम होने का हवाला दिया जाता है।

### समय पर जागना जरूरी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते बेलखाडू चौराहे और साहू मोहल्ला सिमरिया तिराहे पर स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था, शाम के समय पुलिस ड्यूटी और भारी वाहनों के लिए अलग समय या वैकल्पिक मार्ग निर्धारित नहीं किया गया, तो यह समस्या और गंभीर होती जाएगी।

बेलखाडू क्षेत्र में जाम अब सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि प्रशासनिक अनदेखी का प्रतीक बनता जा रहा है। आम जनता सवाल पूछ रही है कि जब रोज़ जाम लगता है, तो व्यवस्था क्यों नहीं,अब देखना यह है कि प्रशासन इस ओर कब तक जागता है।

# धर्म की स्थापना के लिए अवतरित हुए श्रीकृष्ण

▶ वासुदेव की मूर्ति सिर पर रख झूमे श्रोता

**नवभारत, बेलखाडू।** श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मथुरा के कारागार में वासुदेव-देवकी के घर भगवान श्रीकृष्ण का अवतार अधर्म के विनाश और धर्म की स्थापना के लिए हुआ। यह कथा अंधकार पर प्रकाश, अत्याचार पर करुणा और अन्याय पर सत्य की विजय का प्रतीक है, जो भक्तों में प्रेम व आस्था जागृत करती है। यह पावन कथा केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण का पर्व है। यह हमें सिखाती है कि जब-जब पृथ्वी पर पाप बढ़ता है, ईश्वर किसी न किसी रूप में अवतरित होकर भक्तों के संकट हरते हैं। उक्ताशय के उद्गार पौड़ी (नगना) में जारी श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के चौथे दिन व्यास पीठ से आचार्य पं रमेश मिश्रा गूंजोंरा गढ़ाकोटा चित्रकूट धाम ने श्रोताओं के समक्ष कही। उन्होंने वामन कथा,राम जन्म, कृष्ण प्राकट्योत्सव पर विस्तार से कथा सुनाई।

ग्राम के शैलेन्द्र महेरे सिर पर श्रीकृष्ण की मूर्ति को जन्मोत्सव के लिये सजे पंडाल स्थल पर जैसे ही प्रवेश किए, कथा पश्चात संगीत के साथ जन्म के बधाई गीतों पर महिलाएं पुरुष श्रोतागण झूम झूम कर नाचे। कार्यक्रम दौरान प्रमुख रूप से घनश्याम महेरे, मदन गोपाल, राम बिहारी महेरे, शैलेंद्र,जितेंद्र महेरे,बद्री प्रसाद तिवारी, छोटे लाल महेरे, कोमल तिवारी, दिलीप महेरे, राजेश महेरे, श्रीकांत, नीलेश चाचोदिया , ऋतिक महेरे,विनीत, पुनीत,राघवेंद्र, अनीत सहित बड़ी संख्या में आस पास के ग्रामों से महिलाएं श्रोतागण उपस्थित रहे।

# चाकू से हमला कर हत्या करने वाले को उम्रकैद की सजा

▶ अदालत ने आरोपी पर जुर्माना भी लगाया

**जबलपुर।** अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक सक्सेना की अदालत ने चाकू से हमला कर हत्या करने वाले आरोपी आशीष श्रीवास्तव को दोषी करार दिया है। अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास और पांच सौ रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक बविता नागदेव ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि 19 जून 2024 की रात्रि दस बजे घर के आंगन में लगा पानी का नल खुला हुआ था। जिसे देखकर आरोपी आशीष श्रीवास्तव ऊपरी मंजिल से गालीगलौज करते हुए नीचे आया। जहां मृतक शिव उर्फ मनोज सोनी अपने मित्र राहुल उर्फ लकी सोनी के साथ खड़े होकर बाते कर रहा था। जिन्होंने आरोपी आशीष को गालियां देने से मना किया तो आरोपी आशीष ने चाकू से हमला कर मनोज सोनी के गले में गंभीर चोट पहुंचा दी। मनोज के जीजा राजेन्द्र सोनी व उसके साथी लकी सोनी ने बीच बचाव किया तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट कर चोटे पहुंचा दी और मौके से भाग निकला। जिसके बाद घायल मनोज को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। उक्त मामले में गोहलपुर पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर अदालत के समक्ष चालान पेश किया। विचारण दौरान पेश किये गये गवाह व साक्ष्यों के मद्देनजर अदालत ने आरोपी आशीष श्रीवास्तव को उक्त सजा से दंडित किया।

# राशन-पेंशन राशि के लिए दर-ब-दर भटक रहा बुजुर्ग

▶ मंगेला ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम सुकरी का मामला

**सुकरी, नवभारत।** मंगेला ग्राम पंचायत सुकरी निवासी लाल चौधरी पटैल 73 वर्ष इन दिनों अपनी पेंशन के लिए दर-ब-दर भटकने मजबूर हो चुके हैं। जिनकी कोई सुनवाई भी नहीं हो रही है।

बताया जाता है कि सरमन लाल नामक बुजुर्ग ने पेंशन के लिए कलेक्टर को आवेदन भी दिया था लेकिन 14 माह बीत जाने के बाद अभी तक उन्हें जिला प्रशासन व शासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। पीड़ित बुजुर्ग ने एक बार फिर से शासन से मांग की है कि राशन पानी और शासन से मिलने वाली पेंशन राशि उसे जल्द से मिलना शुरू किया जाए। सरमन लाल ने अपनी व्यथा नवभारत को सुनाते हुए बताया कि ग्राम पंचायत सुकरी से उन्हें अपात्र किया गया है जबकि शासन से उन्हें पेंशन मिलनी थी।

### तकनीकी कारणों से नहीं आ रहा फिंगर प्रिंट

सरमन लाल के अनुसार राशन कार्ड और आधार कार्ड के लिए वे दो बार पंजीयन करा चुके हैं लेकिन तकनीकी समस्या आने के कारण उनका फिंगरप्रिंट नहीं आ रहा है जिस कारण वे समस्या से घिरे हुए हैं। पीड़ित ने ये भी बताया कि रहने के लिए उसके पास कोई मकान नहीं है और वह अब जिंदगी इधर उधर रात काटकर बिता रहे हैं।

# जमीन नहीं थी तो कमरों को बनाया खेत, अब मशरूम से हो रही आय

▶ हौसलों की नई फसल, पाटन विकासखंड के कुशली गांव में किसान ने पेश की मिसाल

**पाटन, नवभारत।** खेती का नाम आते ही जहन में लहलहाते बड़े खेत और ट्रैक्टर की तस्वीर उभरती है, लेकिन बदलते दौर में अब सफल किसान होने के लिए एकड़ में फैली ज़मीन की अनिवार्यता खत्म होती जा रही है। इसका जीता-जागता उदाहरण पेश किया है पाटन विकासखंड के कुशली ग्राम से शैलेन्द्र रैकवार ने, जिसने अपनी पुश्तैनी ज़मीन न होने के बावजूद हार नहीं मानी और महज़ दो कमरों से मशरूम उत्पादन की शुरुआत कर आज अच्छी-खासी कमाई की।

अक्सर छोटे किसानों के सामने ज़मीन का अभाव सबसे बड़ी चुनौती होती है। इस किसान ने परंपरागत खेती के बजाय 'वर्टिकल फार्मिंग' और कम जगह में अधिक मुनाफे वाले मॉडल को चुना। उन्होंने दो खाली कमरों में मशरूम की यूनिट लगाई।

मशरूम की खेती की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें ज़मीन की नहीं, बल्कि जगह की जरूरत होती है। शैलेन्द्र जी ने कमरों में बांस की लकड़ी के रैक बनाए, जिससे कम क्षेत्रफल में कई गुना अधिक उत्पादन संभव हो सका।

शुक्रवार को कृषि विभाग पाटन से अनुविभागीय अधिकारी डॉ इंदिरा त्रिपाठी के नेतृत्व में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज श्रीवास्तव एवं कृषि विस्तार अधिकारी देवआनंद सिंह ने कृषक शैलेन्द्र रैकवार के मशरूम फार्म का निरीक्षण किया और कृषक एवं उनकी धर्मपत्नी संगीता रैकवारजो उन कृषक के इस कार्य में पूर्ण सहभागी है से मिल कर उनके इस दो कमरे वाले मशरूम स्टार्टअप बिजनेस प्लान की जानकारी ली ताकि यह जानकारी हमारे जिले एवं प्रदेश के अन्य कृषकों तक पहुंचे और कृषक खेती की पद्धति में थोड़े थोड़े बदलाव कर अधिक मुनाफा ले पाएं। इस मौके पर कृषक शैलेन्द्र ने उनके बनाए हुए इस प्लान को बारीकी के साथ साझा किया ताकि कृषकों समझने में ज्यादा आसानी हो।

# धनगवां के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

▶ तीन खिलाड़ी जिला स्तर के लिए चयनित

**मझौली, नवभारत।** मझौली जनपद पंचायत आयोजित जिला स्तरीय पारंपरिक खेल गिल्ली-डंडा प्रतियोगिता में धनगवां सेक्टर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में धनगवां ग्राम से नीरज चौधरी, अमित आदिवासी, अमित भूमिया, गणेश यादव, संजय भूमिया, सागर चौधरी एवं ओम प्रकाश चौधरी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर नीरज चौधरी, अमित आदिवासी एवं अमित भूमिया का चयन आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि को लेकर पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उल्लेखनीय है कि सभी खिलाड़ी आदिवासी जन कल्याण एवं बाल उत्थान समिति, धनगवां के बैनर तले प्रतियोगिता में शामिल हुए थे। खिलाड़ियों का मार्गदर्शन संस्था की सचिव विनीता आदिवासी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि 'खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की पाठशाला है। हमारा लक्ष्य है कि खेल के माध्यम से धनगवां ग्राम के बच्चे नई पहचान बनाएं, क्योंकि खेल से आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व का विकास होता है। ग्रामवासियों एवं संस्था के सदस्यों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मझौली जनपद में होने वाली जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दी हैं।

# मटर से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

▶ ग्राम घुंसौर में हुआ हादसा, चालक को आई चोटें

**नवभारत, जबलपुर।** शुक्रवार की शाम शहपुरा पाटन मार्ग के बीच ग्राम घुंसौर में मटर से लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे ट्रक चालक को सिर में चोट पहुंची है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक क्रमांक एमएच 40 बीएल 6120 मुख्य सड़क से उतरा जिससे सड़क किनारे लगे पेड़ से मटर की बोरियों में बंधी रस्सी कट गई, चालक ने ट्रक को सड़क पर चढ़ाने की कोशिश की, जिसके कारण ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि ट्रक पलटने से चालक को सिर पर चोटें पहुंची हैं। जिसको इलाज के लिए भेजा गया।

# संवेदनशील इलाकों में निकला फ्लैग मार्च

**जबलपुर।** सिहोरा में मचे उपद्रव के बाद फ्लैग मार्च निकला। शहर के साथ सिहोरा के प्रमुख मार्गों समेत संवेदनशील स्थलों से होकर फ्लैग मार्च गुजरा। अधिकारियों ने सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान करते हुये आमजन से संवाद कर उन्हें पुलिस एवं प्रशासन की ओर से किए गए सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी एवं त्योहारों को पारंपरिक उत्साह एवं आपसी सद्भाव के साथ मनाने की अपील की गई। फ्लैग मार्च रमजान पर्व एवं आगामी त्यौहार में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के नेतृत्व में निकाला गया। फ्लैग मार्च कंट्रोल रूम से प्रारम्भ होकर हाईकोर्ट चौक, घमापुर चौक, भानतलैया, बहोराबाग, कसाई मंडी, रद्दी चौकी होते हुये गोहलपुर तिराहा, मछली मार्केट, मिलौनीगंज, सराफा चौक, बड़ा फुहारा, लार्डगंज थाना के सामने से होते हुये सुपर मार्केट, करमचंद चौक, ओमती चौक होते हुये वापस कंट्रोल रूम में समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन 3 सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात सुश्री अंजना तिवारी, एसडीओपी सिहोरा आदित्य सिंघारिया, एसडीओपी पाटन लोकेश डाबर, नगर पुलिस अधीक्षक बरगी अंजुल अयंक मिश्रा, समेत थाना प्रभारीं बल के साथ मौजूद रहे।

## कांग्रेस की बैठक आज

**नवभारत, जबलपुर।** शहर जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर की अति-आवश्यक बैठक 21 फरवरी, 2026 को दोपहर 4 बजे कांग्रेस कार्यालय, रसल चौक में आयोजित की गई है। इस बैठक में शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजकुमार खुराना, पश्चिम विधानसभा प्रभारी यतेंद्र हीरा चौकसे, पूर्व विधानसभा प्रभारी अभिनव डिमोले एवं कैंट विधानसभा प्रभारी राकेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने सभी कांग्रेस साथियों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कर, संगठन की गरिमा और आगामी कार्यक्रम की सफलता में अपनी सहभागिता प्रदान करें। कांग्रेस नगर अध्यक्ष ने ये भी बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और मनरेगा में बदलाव कर मजदूरी के कानूनी अधिकारों पर प्रहार के विरोध में 24 फरवरी को विधानसभा घेराव आयोजित किया गया है।

# बिना अनुमति गोदाम में ट्रक-कार काटने के मामले में एफआईआर दर्ज

▶ क्राइम ब्रांच की कार्रवाई में हुआ था भंड़ाफोड़, गैरिज मालिक बना आरोपी, 50 लाख के वाहन जब्त

**नवभारत, जबलपुर।** खजरी खिरिया बाईपास स्थित एक स्क्रैप गोदाम में 18 फरवरी को अवैध रूप से वाहनों को काटने और उनके पुर्जे बेचे जाने की भनक लगने पर क्राइम ब्रांच ने छापेमारी करते हुए अवैध तरीके से वाहनों को बिना आरटीओ अनुमति के ट्रक, कार को काटे जाने का भंड़ाफोड़ किया था। इस मामले में अब अधारताल पुलिस ने गैरिज मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इसके साथ ही ट्रक, कार, वाहनों के कटे हुये स्क्रैप पार्ट्स, ऑक्सीजन सिलेण्डर आदि कीमती लगभग 50 लाख रूपये के जप्त किए गए है।

विदित हो कि क्राईम ब्रांच को सूचना मिली कि अधारताल अन्तर्गत खजरी खिरिया स्थित गैरेज में आतिफ अली पिता मुजफ्फर अली निवासी छोटी ओमती का अवैध रूप से ट्रक एवं कार को काटकर स्क्रैप के रूप में बेचने की फिराक में है सूचना पर क्राईम ब्रांच ने दबिश दी थी। गैरिज को चैक करने पर ट्रक क्रमांक एमपी 46 एच 0163 जिसकी कटिंग कर स्क्रैप में तब्दील किया जा रहा था और आधा ट्रक की कटिंग की जा चुकी थी। गैरेज के मालिक आतिफ से गोदाम में खड़े वाहनों के संबंध में दस्तावेज एवं वाहनों की कटिंग कर स्क्रैप के रूप में तब्दील करने की अनुमति व लायसेंस के संबंध में पूछताछ की गई जो किसी प्रकार की अनुमति व लायसेंस न होना बताया था।

**इन वाहनों को किया गया जब्त**-गैरज मालिक आतिफ अली के कब्जे से आधा कटा ट्रक क्रमांक एमपी 46 एच 0163 , स्क्रैप लदा ट्रक क्रमांक डीएल1 एलपी 1469, ट्रक एमपी 20 जी 9040, ट्रक क्रमांक एमपी 20 जीबी 3137, कार एमपी 20 टी 4687, इंडिका कार क्रमांक एमपी 20 सीए 1961, कार क्रमांक एमपी 09 सीबी 7504, कार क्रमांक एमपी 20 सीए 3661 एवं अन्य स्क्रैप सामान कुल कीमती लगभग 50 लाख की गई।

# शातिर बदमाश संजू पर लगा एनएसए

**नवभारत,जबलपुर।** शातिर बदमाश संजू पटेल को रांझी पुलिस ने एनएसए में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

टीआई उमेश गोल्हानी ने बताया कि संजू पटेल पिता कृष्ण कुमार पटेल 25 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती विश्वकर्मा मोहल्ला थाना रांझी का एक अपराधी प्रवृत्ति का युवक है जो वर्ष 2017 से अपराध घटित किये जा रहा है जिसके खिलाफ हत्या का प्रयास, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, अवैध वसूली, चोरी, आबकारी, आर्म्स एक्ट, मारपीट आदि के 27 अपराध दर्ज है, जिसके विरूद्ध समय समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गयी लेकिन बदमाश आदतों में सुधार न लाकर लगातार अपराध घटित किये जा रहा था। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के प्रतिवेदन पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने शातिर बदमाश संजू पटेल के खिलाफ एनएसए के तहत वारंट जारी किया जिसमें उसें गिरफ्तार कर केन्द्रीय जेल जबलपुर में निरूद्ध कराया गया।

# शूटरों को दो एक-एक हजार कारतूस : हाईकोर्ट

**जबलपुर।** भोपाल कलेक्टर द्वारा शूटरों को अभ्यास के लिए प्रदान किये जाने वाले कारतूसो की संख्या कम किये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान एकलपीठ को बताया गया कि केन्द्र सरकार ने राईफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का लाइसेंस का लायसेंस निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने कहा कि शूटरों को शूटरो को एक-एक हजार कारतूस का कोटा आवंटित किया जाये। जिससे वह आने वाली प्रतियोगिता की तैयारी कर सके। लाईसेंस निरस्त करने के संबंध में दिये गये आदेश को पेश करने के निर्देश देते हुए न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को निर्धारित की है।

दरअसल यह मामला भोपाल निवासी इब्राहिम जावेद खान सहित अन्य तीन की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता इब्राहिम जावेद खान एक मशहूर शूटर है और अन्य याचिकाकर्ता शूटर बनना चाहते हैं। उन्हें आर्म्स रूल्स 2016 के नियमों के तहत कारतूस देने के लिए कोटा निर्धारित किया है। जिला कलेक्टर ने निर्धारित कोटे को घटाकर सिर्फ 500 कारतूस कर दिया है। याचिका में कहा गया था कि कलेक्टर द्वारा पारित विवादित आदेश के कारण याचिकाकर्ता आने वाले समय में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की स्थिति में नही है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अभ्यास करने की आवश्यकता है और उनके पास कारतूस नही है। वहीं सरकार की ओर से एकलपीठ को बताया गया कि जनहित में कोटा बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है। जाने-माने शूटर तथा उभरते शूटर को एक हजार कारतूस दिये जायेंगे। जिससे वह आने वाली प्रतियोगिता की तैयारी कर सके।